वार्तालाप–481, बम्बई–2, ताः 6.1.08
Disc.CD No.481, dated 6.1.08 at Bombay-2

समय–9.20–13.50
जिज्ञासु– बाबा एक और बात पूछना था, जो अशोक का लाट है उसमें चार शेर, चार मुंह दिखाये गये है।
बाबा– हां।
जिज्ञासु– और बाबा उसमें मुरली में बताते हैं कि तीन शेर है दहाड़ मारने वाले या तीन रंग का कपड़े का झंड़ा दिखाते हैं। तो ये अशोक लाट का चार मुख का मतलब क्या होता है? चार शेर उसमें दिखाये गये है।
Time: 9.20-13.50
Student: Baba, I wish to ask one more question. In the *Ashoka* pillar, four lions, four faces have been shown.
Baba: Yes.
Student: And Baba tells in the *Murli* that there are three lions, which roar; or a flag made up of clothes of three colours is shown. So, what do these four faces of the Ashoka pillar mean? Four lions have been shown in it.

बाबा– जो तीन मूर्तियां है जिनसे त्रिमूर्ति बनती है, वो तीन मूर्तियों में एक तो, पहली–पहली मूर्ति का नाम क्या है? ब्रह्मा। दूसरी मूर्ति का नाम क्या है? विष्णु। और तीसरी मूर्ति का नाम है शंकर। तीनों मूर्तियाँ बोलती–चालती है या गूंगी है? (किसी ने कहा – बोलती–चालती है।) बोलती–चालती है। तो जो बोलती–चालती मूर्तियाँ है, जिन्होने ज्ञान के आधार पर बोल किया है। बोल कैसे निकले है? ज्ञान के आधार पर बोल निकले हैं। वो सामने दिखाये हैं।
Baba: The three personalities, which form the Trimurty; among those three personalities, what is the name of the first personality? Brahma. What is the name of the second personality? Vishnu. And the name of the third personality is Shankar. Do all the three personalities speak and walk or are they dumb? (Someone said – They speak and walk) they speak and walk. So, the personalities who speak and walk; those who have spoken on the basis of knowledge; what kind of words have emerged (through their mouth)? The words have emerged on the basis of knowledge. They have been shown in the front.

और एक मूर्ति ऐसी है जो ज्ञान के बोल नहीं बोलती। ज्ञान युक्त करम भी नहीं करेगी। क्या? और ज्ञानयुक्त वायब्रेशन भी नहीं फैलायेगी। वो पीछे की ओर दिखाई गई है ताकि उसको न कोई देखे न फालो करे। अगर फालो करेगा, तो जो मनुष्य जीवन का लक्ष्य है नर से नारायण और नारी से लक्ष्मी बनने का वो प्राप्त नहीं हो सकेगा। इसलिये एक मूर्ति पीछे कर दी गई है। दिखाई नहीं पड़ती। तो अच्छा है या बुरा?
And one personality is such that it does not speak words of knowledge. It does not even perform actions based on knowledge. What? And it does not even spread knowledgeable vibrations. It has been shown at the backside so that nobody could see it or follow it. If someone follows it then he will not be able to achieve the goal of the human life, i.e. to transform from a man to Narayan and from a woman to Lakshmi. That is why one personality has been placed at the backside. It is not visible. So, is it good or bad?

(किसी ने कहा – अच्छा है।) वो मूर्ति कौनसी है? आत्मा कौनसी है जिसको फालो नहीं करना है, याद भी नहीं करना ह? (किसी ने कहा – ब्रह्मा को नहीं याद करना है) हां, ब्रह्मा को याद नहीं करना है। जब तक शरीर है तो भी ब्रह्मा को याद नहीं करना है और ब्रह्मा जब शरीर छोड़ देता है फिर जब लास्ट स्टेज में जगदम्बा का पार्ट बजाता है तो भी उसको

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

याद नहीं करना है। ब्रह्मा को तो सात्विक स्टेज में दिखाया है फिर भी। क्या? ब्रह्मा को शास्त्रों में उतना हीन नहीं दिखाया है। महिमा है। क्या? ब्रह्मा को भी देवता कहते है। भल नहीं है। महाकाली को भी देवी कहते है। लेकिन देवियों के बीच में, निम्न कोटि की पार्ट बजाने वाली आत्मायें ज्यादा फालो करती है या ऊँचे तबक्के की फालो करती है? जो वैष्णव पंथी है वो महाकाली को फालो करते है, मानते है, पूजते है, या जो चोर–चकार, भंगी, तमोली ऐसी आत्मायें उसको पूजती है? निष्कृष्ट आत्मायें पूजती है। इसलिये वो पीछे मुख कर दिया है।

(Someone said – it is good). Which is that personality? Which is that soul whom we should not follow, we should not even remember? (Someone said – We should not remember Brahma) Yes, we should not remember Brahma. Even when he was in the body (it was said in the *Murli*), we should not remember Brahma and when Brahma leaves his body, and then, when he plays the part of *Jagdamba* in the last stage, even then we should not remember him. Even then Brahma has been shown in a pure stage. What? Brahma has not been shown in the scriptures in such a low stage. He has been praised. What? Brahma is called a deity as well, although he is not one. *Mahakali* is called a *devi* (female deity) as well. But among the *devis*; do the souls that play a part in lower category follow her more or do the souls from a higher category follow her more? Do those who belong to the *Vaishnav* community follow *Mahakali*, believe her, worship her or souls like thieves, *bhangis* (so-called scavengers), *tamoli* (those who sell betel leaves) worship her? The degraded souls worship her. That is why that face has been shown at the back.

जिज्ञासु– बाबा फिर भी ब्रह्मा को क्यों फालो करने के लिये बोल दिया?
बाबा– ब्रह्मा को फालो इसलिये करने के लिये बोला कि ब्रह्मा की आत्मा फालो, जो प्रैक्टिकल में, वर्तमान में हो उसको फालो करना है या जो गुजर गया उसको फालो करना है? देख करके फालो किया जाता है अच्छा या जिसको देखा ही नहीं वो फालो करेंगे? (किसी ने कहा – देख करके) देख करके फालो किया जाता है। जिसको देख करके फालो करेंगे वो अच्छा फालो होगा।

Student: Baba, even then, why has it been said that we should follow Brahma?
Baba: It has been said that we should follow Brahma because – should we follow the soul of Brahma which is in practical at present or should we follow the one who has passed away? Do people follow the good by observing someone? Or will they follow someone whom they have not seen at all? (Someone said – By seeing) Somone follows someone by seeing him. If someone follows by seeing someone then he can follow in a better way.

तो अभी प्रैक्टिकल में अर्धनारीश्वर का पार्ट प्रैक्टिकल में है या नहीं है? (सबने कहा – है) इतना बड़ा आत्माओं का एड़वांस पार्टी का परिवार है तो मां के बिगर पालना हो सकती है क्या? हो सकती है? (सबने कहा – नहीं) मां के बिगर परिवार टिकेगा क्या? नहीं टिक सकता। अभी भी ब्रह्मा वाली ही आत्मा वो पार्ट बजाय रही है ब्राह्मणों की दुनिया में। अभी भी मां का पार्ट है। क्या? ये ब्राह्मण प्रवृत्तिमार्ग की औलाद है। निवृत्तिमार्ग की औलाद नहीं है।

So, is the role of *Aradhanareeshwar* (half masculine and half femnine form of Shankar-Parvati combined in one body) going on in practical now or not? (Everyone said – it is going on) There is such a big family of the advance party souls. So, can the sustenance take place without the mother? Can it take place? (Everyone said – No) Will the family withstand without the mother? It cannot withstand. Even now the soul of Brahma himself is playing that part in the world of Brahmins. Even now the part of mother is being played. What? These

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Brahmins (of the advance party) are the children of the path of household. They are not the children of the path of renunciation.

समय–20.12–27.29
जिज्ञासु– बाबा कोई लोग भक्तिमार्ग में त्रिमूर्ति दत्त और एक मूर्ति दत्त की अलग–अलग पूजा।
बाबा– और थोड़ा जोर से बोलो।
जिज्ञासु– त्रिमूर्ति दत्त।
बाबा– हैं?
जिज्ञासु– त्रिमूर्ति दत्त।
सबने कहा– दत्तात्रेय।
बाबा– अच्छा, जो दत्तात्रेय है, हां।
जिज्ञासु– त्रिमूर्ति दत्तात्रेय और एकमुखी दत्तत्रय, उसकी अलग–अलग पूजा क्यों करते हैं?
दूसरा जिज्ञासु– एक मुख भी दिखाते है, तीन मुख भी दिखाते हैं ।
बाबा– हां जी।
दूसरा जिज्ञासु– क्यों ऐसा?
Time: 20.12-27.29
Student: Baba, in the path of devotion (*bhaktimarg*) some people worship *Trimurty Datt* (the deity *Datt* with three heads) and *Ek moorty Datt* (the deity *Datt* with one head) separately.
Baba: Speak a little loudly.
Student: *Trimurty Datt.*
Baba: Hum?
Student: *Trimurty Datt.*
Everyone said: *Dattatrey* (a deity).
Baba: Oh, *Dattatrey*, yes.
Student: The trimurty Dattatrey and one headed Dattatrey, why do they worship them separately?
Second student: They show him with one face as well as with three faces.
Baba: Yes.
Second student: Why is it so?

बाबा– पहले तो ये समझना पड़ेगा कि दत्तात्रेय का पार्ट किसका है? कौनसी आत्मा का है? (किसी ने कहा – कृष्ण वाली आत्मा) दत्तात्रेय जो नाम पड़ा उसका अर्थ क्या है? शास्त्रों में जो भी नाम हैं, अर्थ सहित हैं या बिना अर्थ के है? अर्थ सहित नाम है। तो जो दत्तात्रेय नाम पड़ा है उसका अर्थ क्या है? दत्ता माना क्या? (किसी ने कहा – देने वाला) नहीं, हां, दिया हुआ। देने वाला नहीं। दिया हुआ। किसके द्वारा दिया हुआ? त्रेय। तीन मूर्तियों के द्वारा दिया हुआ। माना भगवान बाप शिव अकेले इस सृष्टि पर नहीं आते। (किसी ने कहा– त्रिमूर्ति के साथ आते हैं) किसके साथ आते है? (किसी ने कहा– तीन मूर्तियों के साथ) तीन मूर्तियों के साथ आते है।
Baba: First we have to understand as to who plays the part of Dattatrey? Which soul? (Someone said – the soul of Krishna) What is the meaning of the name Dattatrey? Are all the names in the scriptures meaningful or meaningless? The names are meaningful. So, what is the meaning of Dattatrey? What does Datta mean? (Someone said – the one who gives) No. Yes, 'given'. Not 'giver'. 'Given'. Given by whom? *Trey*. Given by the three personalities. It means that God Father Shiv does not come in this world alone. (Someone said – He comes with Trimurty) With whom does He come? (Someone said – With three personalities) He comes with the three personalities.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

तो यज्ञ के आदि में वो तीन मूर्तियां कौनसी थी? हैं? एक गीता माता। राधा बच्ची। और भगीदार। ये तीनों ही मूर्तियां थी या नहीं थी? तीनों ही मूर्तियां थी। जब शिव आते हैं तब। उस समय ब्रह्मा की मूर्ति थी या नहीं थी? दादा लेखराज? हैं? थी? (कईयों ने कहा – नहीं थी) है? हां वो वहां मौजूद नहीं थी। तो तीन मूर्तियां जो थी, उन तीन मूर्तियों के द्वारा दिया हुआ माने 'दत्ता'। उन तीन मूर्तियों के द्वारा पहले–पहले कौन प्रत्यक्ष हुआ ब्राह्मणों की दुनिया में? और कोई देवता नहीं प्रत्यक्ष होता। ब्रह्मा वाली आत्मा ही सन सैंतालीस में ब्रह्मा के रूप में प्रत्यक्ष हुई और पचास–इक्यावन में नाम पड़ा ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय।
So, which were those three personalities in the beginning of the *yagya*? Hum? One was mother Gita, daughter *Radha*and the partner. Were these three personalities present or not? All the three personalities were present when Shiv had come. Was the personality of Brahma present or not at that time? Dada Lekhraj? Hum? Was he present? (Many students said – He wasn't) Hum? Yes, he was not present there. So, the three personalities which were present; the one who was given through the three personslities means *'Datta'*. Who was revealed in the world of Brahmins first of all through those three personalities? No other deity is revealed. It was the soul of Brahma himself which was revealed in the year 1947 as Brahma and the name 'Brahmakumari Ishwariya Vishwa Vidyalaya' was coined in 1950-51.

तो तीन मूर्तियों के द्वारा दिया हुआ दत्तात्रेय असली कौन हुआ? (किसी ने कहा – दादा लेखराज) हैं? दादा लेखराज ब्रह्मा। उनका विशेष गुण क्या दिखाते है शास्त्रों में? वो गुण ही ग्रहण करते थे। अवगुण, अवगुण ग्रहण नहीं करते थे। तो ये बात पक्की है या नहीं है प्रैक्टिकल जीवन में। पक्की है। ब्रह्मा बाबा ने कभी किसी बच्चे का दुर्गुण नहीं देखा। कोई बच्चे फालो करें बाबा को या न करें। मुरली को फालो करें या न करें, कोई गुण को धारण करें या न करें, ब्रह्मा बाबा ये पक्का किये हुये बैठे थे – मुझे ये कर्म करके दिखाना है। जैसा कर्म मैं करूंगा मुझे देख और बच्चे करेंगे। तो दत्तात्रेय का मुख्य गुण धारण करने वाला ही दत्तात्रेय है।
So, who is the true *Dattatreya* who was given (i.e. created) through the three personalities? (Someone said – Dada Lekhraj) Hum? Dada Lekhraj Brahma. What is his main virtue shown in the scriptures? He used to accept only virtues. He did not used to accept bad qualities. So, has this thing been correct in his practical life or not? It has been correct. Brahma Baba never observed any child's bad qualities. Whether any child follows Baba or not, whether they follow the *Murli* or not, whether they imbibe any virtue or not, Brahma Baba had resolved: I have to perform this action and show. Whatever actions I perform, other children will observe me and act accordingly. So, the one who imbibes the main virtue of *Dattatrey* is indeed *Dattatrey*.

और दत्तात्रेय की मूर्ति के चारों तरफ कौनसे जानवर दिखाये जाते हैं? हैं? कुत्ते दिखाये जाते है। हैं? दिखाये जाते है। तो दत्तात्रेय और कृष्ण वाली आत्मा, कृष्ण बच्चा, दोनों एक ही आत्मा साबित हो गई। और कृष्ण की राशि किससे मिलाई जाती है? क्राइस्ट से। क्राइस्ट और क्राइस्ट के फालोअर्स कौनसे जानवर को सबसे जास्ती प्यार करते हैं? कुत्तों को। इसलिये भारतेन्दु हरिश्चंद्र ने ये कविता बनाये दी – कुत्तों को मिलता दूध भात बच्चे भूखों चिल्लाते हैं। क्या? जो कामी कुत्ते हैं उनको मां का प्यार मिलता है और जो परमात्मा बाप के सच्चे बच्चे हैं वो प्यार के लिये भूखे रहते है। रोते हैं। रोते–रोते पैदा होते हैं। इसलिये उनका नाम रूद्रगण रखा जाता हे। क्या? तो दत्तात्रेय के चारों ओर जो जानवर दिखाये गये हैं वो विधर्मियों की यादगार हैं या स्वधर्मी आत्माओं की यादगार है? (सबने कहा–विधर्मियों की) विधर्मियों आत्माओं की यादगार है।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

And which animal is shown around the personality of *Dattatrey*? Hum? Dogs are shown. Hum? They are shown. So, *Dattatrey* and the soul of Krishna, the child Krishna are proved to be the same soul. And with whom is the horoscope of Krishna matched? With Christ. Which animal does Christ and his followers love the most? The dogs. That is why *Bhartendu Harishchandra* has written this poem: *Kutton ko miltaa doodh bhaat, bachchey bhookhon chillatey hain* (The dogs get milk and rice to eat while the poor children cry with hunger) What? The lustful dogs receive the love of the mother and the true children of the Supreme Soul Father remain hungry of love. They cry. They take birth crying. That is why they are named as *Rudragan* (those of the group of *Rudra*). What? So, are the animals shown around *Dattatrey* a memorial of the *vidharmi souls* (those who have inculcations opposite to that said by the Father) or the *swadharmi* souls (those who have inculcations as that said by the Father)? (Everyone said – *Vidharmis*) It is a memorial of the *vidharmi* souls.

जिज्ञासु – बाबा ऐसा क्यों कि कुत्तों को दूध भात और.....
बाबा – ये कलियुग में ऐसा ही होता है। कलियुग में जो शासन है वो तमोप्रधान शासन होता है या सतोप्रधान शासन होता है? तमोप्रधान शासन में तो सब उल्टा ही उल्टा होना चाहिये।
जिज्ञासु – कृष्ण वाली सोल जो है वो बाबा की अति प्रिय है ना, मतलब क्योंकि फर्स्ट पत्ता तो वो ही पैदा होगा ना।
बाबा – हैं?
जिज्ञासु – पहला बच्चा, तो पहले बच्चे के रूप में।
बाबा – पहला पत्ता तो सृष्टि का वो ही आत्मा होगी।
Student: Baba, why is it so, that the dogs get milk and rice and……..
Baba: It happens like this indeed in the Iron Age. Is the government in the Iron Age a *tamopradhan* (dominated by the quality of darkness or ignorance) government or a *satopradhan* (dominated by the quality of goodness and purity) rule? In the *tamopradhan* government everything should happen in an opposite manner.
Student: The soul of Krishna is the dearest one to Baba, isn't it? I mean to say because it will be the first leaf to take birth, will it not?
Baba: Hum?
Student: (He will be) the first child, so in the form of the first child…..……
Baba: Only that soul will be the first leaf of the world.

जिज्ञासु – वो तो मतलब भगवान की अतिप्रिय आत्मा है।
बाबा – हां।
जिज्ञासु – अगर उनको साबित करेंगे कि गलत है ये, तो शंकरजी है ना, डंडा नहीं मारेंगे?
बाबा – अभी तो मुरली में बोला। तुम कौनसी बंदूक चलाने वाले हो? (सबने कहा – ज्ञान की) ज्ञान की बंदूक है न तुम्हारी। कि स्थूल डंडा स्थूल बंदूक है? हैं? और स्थूल बंदूक तो उस आत्मा को अभी लगेगी भी नहीं। लगेगी? वो आत्मा अभी इस सभा में मौजूद होगी या नहीं होगी? (किसी ने कहा – होगी) होगी। (किसी ने कहा – सुन भी रही होगी बाबा) सुन भी रही होगी।
जिज्ञासु – बाबा उनसे तो हमको डरना चाहिये फिर।
बाबा – क्यों डरना चाहिये? तुम उनको जनम देने वाले चाचा, ताऊ और बापूजी हो या तुम उनके औलाद बनने वाले हो। तो तुम क्या बनने वाले हो? उनके बाद जन्म लेनेवाले हो सृष्टि रूपी रंगमंच पर या पहले जन्म लेने वाले हो?
जिज्ञासु – मैं चाचा हूँ, लेकिन उनको मालूम होना चाहिये ना कि ये चाचा है।
बाबा – उनको मालूम करवाओ। ऐसा वायब्रेशन बनाओ।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Student: He is the dearest soul of God.
Baba: Yes.
Student: If we prove him to be wrong then, will not Shankar*ji* beat us with sticks?
Baba: Just now it was said in the *Murli*. Which gun are you going to use? (Everyone said – of the knowledge). Your gun is of the knowledge, isn't it? Or is it a physical stick, physical gun? Hum? And the physical gun will not hit that soul now as well. Will it? Is that soul (of Brahma) be present in this gathering now or not? (Someone said – It will be) It will be. (Someone said – It would even be listening Baba) It would also be listening.
Student: Baba, then we should be afraid of him.
Baba: Why should you be afraid? Are you the paternal uncle and father to give birth to him or are you going to become his child? What are you going to become? Are you going to take birth on this stage-like world after him or before him?
Student: I am the paternal uncle, but he should know that, shouldn't he?
Baba: Make him know this. Create such vibrations.

समय–29.36
जिज्ञासु– बाबा मुरली और वार्तालाप दोनों चल रहे हैं। तो क्लास में अगर मुरली चलाते है तो वार्तालाप रह जाता है, फिर क्लास.....
बाबा– आधी मुरली चलाओ, आधा वार्तालाप चलाओ।
जिज्ञासु– तो भी बाबा पूरा नहीं होगा ना, जिस तरह से मुरलियाँ चल रही हैं, उस तरह से हम एक चलायेंगे रोज तो फिर।
बाबा– और कही बीच में गैप हो गया तब क्या करेंगे? जैसे सन 98 में, 98 तक तो वाणी मिलती रही। उसके बाद गैप हुआ या नहीं हुआ? तब क्या मुरलियों का बैंक बैलेंस खतम हो जाना चाहिये या बना रहे? (किसी ने कहा–बना रहे।)
Time: 29.36
Student: Baba, both *Murlis* and Discussions both are being narrated; so if we play the *Murli* during the class, then the discussion is left behind; then the class…….
Baba: Play *Murli* for half the time and discussion for the rest half of the time.
Student: Nevertheless Baba, it will not be completed, will it be? The rate at which *Murlis* are being narrataed, if we play one *Murli* per day, then…
Baba: And what will you do if a gap falls in between? For example, in the year 1998; until 1998 you used to receive *vanis*. After that, was there a gap or not? So, should the bank balance of *Murlis* end or should it be remain? (Someone said – it should remain).

जिज्ञासु– अभी वो जो तालमेल है वो नहीं बैठ रहा है। जिस तरह से मुरलियाँ चल रही है उस तरह से नहीं सुन पा रहे हैं, इतनी सारी।
बाबा– तो कोई बात नहीं। पैसा जितना कमाया है, उतना खर्च हो जाये वो जरूरी या जो कमाया है कुछ बैंक बैलेंस में पड़ा रहे वक्त जरूरत काम आवे वो अच्छा? (किसी ने कहा – बैलेंस बना रहे) हां, तो घबड़ाते काहे के लिये हो?
Student: Now the rhythm is not becoming set. We are not able to listen to so many *Murlis* at the same rate at which they are being narrated.
Baba: It does not matter. Is it necessary to spend the entire amount that you have earned or is it better if some amout of your income remains in your bank balance and proves useful in times of need? (Someone said – there should be a balance) Yes, so why do you fear?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Pune-2 dated 3.1.08

समय– 2.18–3.50
जिज्ञासु– बाबा, बाप की स्नेह की छत्रछाया में जो रहेंगे उनपे माया वार नहीं करेगी।
बाबा– ठीक है।
जिज्ञासु– ऐसा कहा है।
Time: 2.18-3.50
Student: Baba, *Maya* will not attack those who live under the canopy of the Father's love.
Baba: It is correct.
Student: It has been said so.

बाबा– स्नेह की छत्रछाया में कौन रहेंगे? जो स्नेही होता है, जिससे स्नेह करता है, तो जिससे स्नेह होता है, प्यार होता है, प्यार के पीछे सब कुछ स्वाहा करने के लिये तैयार होता है कि नहीं? (सबने कहा – होता है) देह देह नहीं, बच्चा बच्चा नहीं, बाप बाप नहीं, पत्नी पत्नी नहीं, इस बात की परीक्षा में पास होगा या फेल होगी? पास होगा। तो स्नही को याद क्यों नहीं आवेगा? जितना गुड़ डालेंगे उतना मीठा जरूर होगा। जहां हमारा तन होगा (सबने कहा – वहां हमारा मन होगा) वहां हमारा मन जावेगा। जहां हमारा धन होगा, वहां हमारा मन जरूर जावेगा। जिससे प्यार होता है उस प्यारे के सामने तन और धन किसलिये होता है? न्योछावर करने के लिये।
Baba: Who will live under the canopy of love? The one who has affection, the one with whom he has affection, so is he ready to sacrifice everything for the person with who he has affection, whom he loves, or not? (Everyone said – He is) Will he pass or fail in the test of attachment for the body, for the child, for the father, and for the wife? He will pass. So, why will the person who loves (Baba) not remember (him)? The more you add the jaggery, the sweeter it would certainly become. Wherever our body will be (Everyone said – our mind will go there) Our mind will go there. Whereever our wealth will be (invested), our mind would certainly go there. What for is the body and wealth for the dear one whom we love? It is for sacrificing it on him/her.

समय– 3.59–5.15
जिज्ञासु– बाबा ये ब्रह्मा बाबा की आत्मा जब सूक्ष्म शरीर धारण करती है बीज रूप आत्माओं में प्रवेश करती है तो वहां बीजरूप बनती है और अपनी तबक्के में आती है तो फिर अपना वही वो पुराना किस्सा चालू कर देती है।
बाबा– संग का रंग बच्चों को ज्यादा लगता है, संग का रंग बच्चों को ज्यादा लगता है या बाप को ज्यादा लगता है? (किसी ने कहा – बच्चों को) तो कृष्ण बच्चा है ना।
जिज्ञासु– तो ये माया बेटी भी जो अभी शरीर छोड़ चुकी है, तो ये जो सूक्ष्म आत्मायें है क्या ये आपस में बातचीत कर सकते है या उनकी विचारधारा एक हो सकते है?
Time: 3.59-5.15
Student: Baba, when this soul of Brahma Baba assumes a subtle body, and enters in the (bodies of) seed-form souls, it becomes seed-form there and when it comes to its own section, it starts its own old story again.
Baba: Do the children get coloured by the company more or does the father get coloured more? (Someone said – the children) So, Krishna is a child, isn't he?
Student: So, even this daughter *Maya*, who has now left the body; so can these subtle souls talk to each other or are can their thinking ways become similar?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबा– अरे संदेश अभी नहीं सुने क्या? दादी के शरीर छोड़ने के बाद संदेश सुने नहीं क्या? (किसी ने कहा – सुने) सुने। बातचीत करती है। हमेशा के लिये साथ नहीं रह सकती। हरेक को अपने–अपने ग्रुप में सेवा करनी है। क्या? इसलिये बोला कि दादी का पार्ट बाबा के साथ तेरह दिन तक का है। उसके बाद? अपने ग्रुप में जाओ, सेवा करो। (किसी ने कहा – तो वो जगदम्बा में प्रवेश करेगी।) प्रवेश करेगी अलग बात और हाथ मिलाया अलग बात। मिल करके काम करेंगे अलग बात।

Baba: Arey, have you not heard the messages now? Have you not heard the messages delivered after *Dadi* left her body? (Someone said – We have heard) You have heard. She talks. She cannot remain together (with Baba) forever. Everyone has to do service in his/her group. What? That is why it has been said: *Dadi's* part with Baba is for 13 days. After that? Go to your own group; do service. (Someone said – So, will she enter in *Jagdamba?*) 'Entering in her' is a different issue and 'she has shook hands with her' is a different issue. 'They will work together' is a different issue.

समय–20.40–21.21

जिज्ञासु– बाबा मुरली में बोला है कि गीता का भगवान कौन? इस बात पे जिसने विजय पा ली, जैसे उसने विश्व पे विजय पा ली।

बाबा– ठीक है।

जिज्ञासु– तो ये बात कृष्ण वाली आत्मा के लिये लागू होती है? ये बात सिर्फ कृष्ण वाली आत्मा के लिये लागू होती है कि सबके लिये लागू होती है?

बाबा– सबसे पहले किसकी बुद्धि में बैठा कि गीता का भगवान शिव नहीं होना चाहिये। गीता का भगवान "मैं" होना चाहिये। (सबने कहा – ब्रह्मा) इस दुनिया में पहले–पहले *शिवोहम* बनके कौन बैठता होगा? (किसी ने कहा – ब्रह्मा)

Time: 20.40-21.21

Student: Baba it has been asked in the *Murli*: the one who has won over the issue, 'who is the God of Gita', it is as if the he has gained victory over the world.

Baba: It is correct.

Student: So, does this apply to the soul of Krishna? Does this apply only to the soul of Krishna or to everyone?

Baba: First of all in whose intellect did it fit that God of Gita should not be Shiv? 'I' should be the God of Gita. (Everyone said – Brahma) Who must be sitting as *Shivoham* (I am Shiv) in this world first of all? (Someone said – Brahma)

समय–32.20

जिज्ञासु– बाबा ने मुरली में बोला है लौकिक से पूछना भी नहीं जो ज्ञान में नहीं है। अकेली माता है तो लौकिक से पूछना भी नहीं और उसकी मत भी नहीं सुननी है।

बाबा– नहीं। ये बोला – जो ज्ञान में पक्के हैं, उनके लिये बोला कि – लौकिक सम्बन्धियों से न कुछ पूछना है और न उनकी मत पर चलना है। हां, तो?

Time: 32.20

Student: Baba has said in the *Murli* that do not even ask the *lokik* (relatives) who do not follow the knowledge. If there is a mother who is alone (i.e. not supported by her husband in the path of knowledge), then she should not even ask the *lokik* ones and should not even listen to their opinion.

Baba: No, it has been said that, it has been said for those who are firm in the knowledge: you should neither ask anything to the *lokik* relatives nor should you follow their opinion. Yes, so?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासु– अभी अकेली माता हूँ ज्ञान में और पति बोले कि नहीं जाना है बाबा से मिलने।
बाबा– हां, तो बाबा ने कहा है युक्ति से काम करो। नहीं जाना है तो नहीं जाना है। नहीं जायेंगे।
जिज्ञासु– युक्ति से तो आना है ना।
बाबा– हां, हां, युक्ति निकाली ना। युक्ति निकाल के आ गये। हां, तो क्या हुआ?
Student: Now, I am the mother alone in following the path of knowledge and if my husband asks me: not to go to meet Baba.
Baba: Yes, so Baba has said that you should act tactfully (you should say), If I should not go, then I wouldn't go. I will not go.
Student: We have to come tactfully, shouldn't we?
Baba: Yes, yes, you adopted a trick, did you not? You came tactfully. Yes, so what happened?

जिज्ञासु – जाके गाली दिया या कुछ हो जाए तो.....
बाबा – गाली चिपक जाती है क्या?
Student: After going back, if he abuses me or something happens……
Baba: Does the abuse stick you?

जिज्ञासु– अडोस–पडोस वाले होते है, बोले भगवान का करती है क्या? भगवान मिला है हमें भगवान मिला है तो फिर इनके घर में झगड़ा कैसा?
बाबा– इनके घर में झगड़ा कैसा? माने भगवान जब आया तो राम–रावण झगड़ा नहीं हुआ था? जब भगवान कृष्ण आये थे तो महाभारत युद्ध नहीं हुआ था? जब शंकर भगवानजी आये थे देवासुर संग्राम नहीं हुआ था? आपके पास तो ढ़ेर जवाब हैं।
Student: The neighbours say: when you go to meet God, you say that you have found God, we have met God, then why is there a fight in their home?
Baba: Why is there a fight in their home? It means that when God had come, didn't the fight between Ram and Ravan had taken place? When God Krishna had come, had the Mahabharata war not been fought? When God Shankar had come, was the war between the deities and the demons not fought? You have many answers.

जिज्ञासु– फाउन्डेशन भी संगमयुग में ही पड़ा है ना।
बाबा– हां तो क्या हुआ? बता ही दिया, ज्ञान में बता दिया, मुरली में बता दिया गेट वे टू हेविन इज (सबने कहा – महाभारत) महाभारत। महाभारत युद्ध से पसार हुये बगैर सचखण्ड की दुनिया में कोई नहीं जा सकता। कोई कितना भी छुपना चाहे, बचना चाहे असत्य से, युद्ध न करे, लेकिन करना ही पड़ेगा।
जिज्ञासु– कुछ भी बोले लेकिन हमें बाबा से मिलने आना ही है।
बाबा– नहीं, बाबा से मिलना ये कोई ज्ञान नहीं। वो तो बोल दिया – एक बार भट्टी कर ली, एक बार देख लिया, भल विलायत में चले जाओ। सेवा करते रहो लक्ष्मी नारायण का पद मिल सकता है।
Student: The very foundation has been laid in the Confluence Age, hasn't it been?
Baba: Yes, so what happened? It has already been told, it has been told in the knowledge, it has been told in the *Murli* that the gateway to heaven is (Everyone said – *Mahabharata*) *Mahabharat*. Without passing through the *Mahabharata* war, nobody can go to the world of truth. Howevermuch one may try to hide, try to save himself from untruth, he may not fight, but he will definitely have to (fight the war).
Student: Whatever they may say, but we have to come to meet Baba.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: No, meeting Baba is not the knowledge. It has been said – once you have done *bhatti*, once you have seen, no matter you may go abroad. You keep doing service and you will achieve the post of Lakshmi-Narayan.

जिज्ञासु– बाबा आये हैं तो आना नहीं है बाबा?
बाबा– ये तो तुम्हारी बात हो गई ना। दुनिया में ऐसे भी तो लवर्स हुये हैं, जो एक बार देखते हैं और जिंदगी भर याद रखते है। एक बार की अनुभूति सदाकाल के लिये स्थायी नहीं बनाई जा सकती? (सभी ने कहा – बन सकती है) तो जब बन सकती है, तो इससे साबित होता है कि जो एक बार देखे और सारा जीवन याद रखे, इससे साबित होता है कि इसके पूर्व जन्म के हिसाब–किताब संग रहने के ज्यादा है, तो ज्यादा याद कर सकता है।
Student: Shouldn't we come when Baba has come?
Baba: This is your issue, isn't it? There have also been such lovers in the world, who see once and remember throughout the life. Can't the experience of one time be made permanent forever? (Someone said – It can become) So, when it can become (permanent) it proves that; the one who sees once and remembers throughout the life, it proves that his karmic accounts of living together in the past births are more, so he can remember more.

जिज्ञासु– यानि प्रक्टिकल मिलन। सिर्फ घर में बैठ कर ही .....
बाबा– प्रैक्टिकल मिलन सहज मिले सो दूध सम। मांग लिया – हमे परमिशन दे दो। आप राजा बनने वाले हैं। जो राजा मांगता हुआ अच्छा लगता है क्या?
जिज्ञासु– वायब्रेशन उनका ज्यादा है ना रावण की दुनिया में?
बाबा– आप भगवान के बच्चे है? रावण के बच्चे है?
जिज्ञासु– हम तो भगवान के।
बाबा– आप भगवान के। तो आपका वायब्रेशन ज्यादा होना चाहिये कि.....?
जिज्ञासु– नहीं हो रहा है ना।
बाबा– नहीं हो रहा है तो अभी बने नहीं है ना। दिल हो जाती है ना।
जिज्ञासु– दिल तो नहीं होती बाबा।
बाबा– दिल तो नहीं होती लेकिन थोड़ा असर पड़ जाता है। असर पड़ जाता है। मान लिया।
Student: So, does it mean that for practical meeting should we just sit at home and…
Baba: As regards to practical meeting, whatever we obtain easily is like milk. If we seek it – give me permission. You are going to become a king. Does a king appear good seeking (something from someone)?
Student: Their vibration is more in the world of Ravan, isn't it?
Baba: Are you God's children? Are you Ravan's children?
Student: WE are God's (children).
Baba: You are God's (children). So, should your vibrations be more (powerful) or…..?
Student: It is not happening like this, is it?
Baba: It is not happening. So, you have not become (a king) now, have you? Your heart wishes, does it not?
Student: Baba, the heart does not wish.
Baba: The heart does not wish, but somewhat effect is made (on it). There is effect. You have accepted.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासु– तो बाबा उनके मत के खिलाफ नहीं जाना है। नहीं बोले तो नहीं आना है। युक्ति से काम लेना है।
बाबा– युक्ति से काम लो।
जिज्ञासु– उनके पीछे (उनकी अनुपस्थिति में) आते हैं। लेकिन लौट के जाने के बाद फिर तो सामने रहते है। (दूसरे जिज्ञासु ने कुछ कहा)
बाबा– दोनों तरफ से तलवारें चलाई जायेगी तभी तो युद्ध होगा। (जिज्ञासु ने कहा– हम चुप रहते है) बोलने दो, बोलने दो।
जिज्ञासु– यदि हम श्रीमत पर चल रहे हैं या?
बाबा– हां, हम न वाचा का युद्ध करने वाले, न हम कर्मणा का युद्ध करने वाले और न हम वायब्रेशन का भी युद्ध करने वाले नहीं। क्या? हमें तो किसी आत्मा का विरोध करना ही नहीं है। सबका हम भला चाहते है कि विरोध चाहते हैं? (सबने कहा – भला चाहते है) सबका भला चाहते हैं।

Student: So, Baba, should we not go against their opinion? If he refuses (to grant permission) we shouldn't come. We have to act tactfully.
Baba: Act tactfully.
Student: We come in his absence. But when we return, he confronts us. (Another student said something).
Baba: War will be fought only when swords are used from both the sides. (Student: I remain silent) Let him speak; let him speak.
Student: Whether we are following the *shrimat* or (not)?
Baba: Yes, we are not the ones to fight the war of words, or to fight the war of actions; or fight the war of vibrations either. What? We do not have to oppose any soul at all. We want everybody's benefit or do we want opposition? (Everyone said – We want their benefit. We want everyone's benefit.

……
Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info